नवरात्रि की सप्तमी को मां कालरात्रि की पूजा-अर्चना

मंदिरों में भक्तों का तांता, डांडिया नृत्य पर झूमे लोग

लखनऊ। प्रदेश की राजधानी में इन दिनों धार्मिक वातावरण पूरे चरम पर है। एक तरफ रामलीला का मंचन हो रहा है वहीं दुर्गा महोत्सव के पण्डालों ढोल नगाड़ों की थापों के मां की आराधना की जा रही है। इसी बीच नवरात्र के सातवें दिन मां दुर्गा के विशेष स्वरूप माँ कालरात्रि की पूजा अर्चना का दौर भोर से लेकर देर रात बारह बजे तक जारी रही। आज तंत्र और मंत्र की साधना करने वालों के लिये विशेष रात थी। लोगों ने रात भर पूजा अर्चना किया। उल्लेखनीय है कि माँ कालरात्रि के स्वरूप और पूजा अर्चना की विशेष तरीका है। सनातन धर्म की रीति-रिवाज के अनुसार मां कालरात्रि का शरीर घने अंधकार की तरह एकदम काला और स्वरूप अत्यंत विकराल है।केश और नेत्र- इनके बाल बिखरे हुए हैं, गले में विद्युत की तरह चमकने वाली माला है, और इनके तीन नेत्र हैं।माँ कालरात्रि का वाहन गर्दभ है। माता कालरात्रि की चार भुजाएं हैं और इनके दाहिने ऊपर के हाथ में वर मुद्रा और नीचे के हाथ में अभय मुद्रा होती है। बाईं ओर के ऊपर वाले हाथ में लोहे का कांटा और नीचे वाले हाथ में खड्ग होता है। माता कालरात्रि को शुभंकरी भी कहा जाता है क्योंकि इनका यह भयंकर रूप भी भक्तों के लिए हमेशा शुभ फलदायी होता है। इनकी उपासना से अकाल मृत्यु का भय दूर होता है तथा भूत-प्रेत नकारात्मक ऊर्जा और शत्रुओं का नाश होता है। इसी क्रम में नवरात्रि के सातवें दिन चौक स्थित मठ श्री बड़ी काली जी मंदिर में माता का भव्य श्रृंगार किया गया। माता को भोग में गुड़ और गुड़ से बना प्रसाद चढ़ाया गया।आज माता को फल सब्जी से श्रृंगार किया गया। जिसमें भिंडी शिमला मिर्च टमाटर करेला धनिया इत्यादि हरी सब्जियों का श्रृंगार तैयार कर माता को समर्पित किया गया है। कल प्रात हा अति प्राचीन अष्टधातु से निर्मित अर्धनारीश्वर की मूर्ति का अभिषेक कर स्थापना की जाएगी।इसके अलावा वूमेन लाइफ मैटर्स समिति के तत्वावधान में मोती महल लॉन हजरतगंज में भारतीय संस्कृति संस्कार और परिधानों से युक्त गरबा रात्रि का आयोजन किया गया उक्त जानकारी देते हुये गरबा संयोजक समिति की सदस्य वंदना बंसल व दीपा बंसल प्रयागमती गुप्ता एवं प्रीती पांडेय सुरेश छब्लानी ने बताया कि पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी भारतीय त्योहारों में युवाओं को जोड़ने के लिए डांडिया नृत्य का आयोजन किया गया।इसके साथ ही प्राचीन भारतीय युद्ध कला कलारीपयट्टू एवं परम्परागत भारतीय परिधानों का फैशन शो भी आयोजित हुआ। जिसमें भारतीयता की स्पष्ट छाप दिखाई पड़ी।भारतीय पारंपरिक वेशभूषा में डांडिया नृत्य लोग शामिल हुये।

ऐशबाग की ऐतिहासिक रामलीला ने रचा इतिहास

मंच पर उड़ते हनुमान जी को देख दर्शक हुये रोमांचित

लखनऊ। प्रदेश के ऐतिहासिक ऐशबाग रामलीला मैदान में चल रहे रामोत्सव में आज एक नया इतिहास रचा दिया गया। रामलीला समिति के अध्यक्ष हरिशचन्द्र अग्रवाल ने बताया कि आज अशोक वाटिका में सीता और रावण संवाद से लेकर लंका दहन तक की कथा का मंचन के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(एआई)से निर्मित दृश्यों को दिखाया गया।रामलीला के मंच का आरंभ श्रीराम और लक्ष्मण द्वारा सीता को खोजने के दृश्य से किया जाता है। वैदेही को खोजते हुए श्रीराम और लक्ष्मण माता शबरी के आश्रम पहुंचते हैं जहाँ शबरी ऋषि मतंग से ज्ञान प्राप्त कर अपने जीवन को श्रीराम की प्रतीक्षा में व्यतीत कर रही थीं।यहाँ पहुंचने पर भगवान राम ने शबरी के प्रेम से खिलाए गए जूठे बेरों को आनंद पूर्वक खाया। यहाँ शबरी राम को सुग्रीव व हनुमान से मिलने का सुझाव देती हैं। माता शबरी की भक्ति से प्रसन्न होकर श्रीराम उन्हें मोक्ष प्रदान कर आगे बढते हैं।जहाँ उनकी भेंट अपने परम भक्त हनुमान से होती है प्रभु सुग्रीव से मिलने की इच्छा प्रकट करते हैं। सुग्रीव को उसके भाई बाली ने धोखे से राज्य और पत्नी से बेदखल कर दिया था, जिस कारण वे ऋष्यमूक पर्वत पर शरण लेकर रह रहे थे यहीं हनुमान जी श्रीराम को सुग्रीव से मिलाते हैं और राम उन्हे अपना मित्र बनाते हुये उनकी सहायता करने की घोषणा करते हैं।इसके बाद श्रीराम के हाथों बालि का वध किया जाता है।मृत्यु शैया पर पड़े बालि अपने पुत्र अंगद को श्रीराम की शरण में रहने का ज्ञान दे मृत्यु को प्राप्त होता है।इसके अलावा श्री रामलीला समिति महानगर की रामलीला में रामायण के कई अत्यंत महत्वपूर्ण और भावुक प्रसंगों का मंचन किया गया।कलाकारों के सजीव अभिनय ने दर्शकों को भक्ति रस से सराबोर कर दिया।लीला से पूर्व समिति के संरक्षक वीके जोशी संजय श्रीवास्तव ललित मोहन जोशी गिरीश जोशी व संजय पांडे ने माता दुर्गा की आरती उतारी व लीला मंचन का शुभारंभ किया। लीला का शुभारंभ सीता-वनस्त्री संवाद और भरत-कैकेई संवाद के साथ हुआ, जिसमें कैकेई के प्रति भरत का क्षोभ और माता के प्रति उनका दृष्टिकोण स्पष्ट रूप से झलका।इसके बाद मंच पर राम-भरत मिलाप का वह अलौकिक दृश्य प्रस्तुत किया गया।

संक्षिप्त

बच्चों के जुकाम-बुखार को न समझें मामूली,टीबी भी हो सकती-सीएमओ

लखनऊ। बच्चों को जुकाम-बुखार होना आम बात है। ऐसे में कई बार परिवार इसे मौसम में बदलाव या सामान्य बीमारी समझकर उपचार कराते रहते हैं, लेकिन जब लक्षण लंबे समय तक बने रहें, वजन घटने लगे या शरीर के किसी हिस्से में लगातार दर्द और सूजन हो। तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। चार वर्षीय सानवी को करीब छह महीने तक रुक-रुककर बुखार आता रहा, जबकि सात वर्षीय श्याम के बाएं पैर में काला निशान पड़ने के साथ सूजन और दर्द की शिकायत थी। जांच में दोनों बच्चों में टीबी की पुष्टि हुई। निर्धारित उपचार पूरा होने के बाद सानवी स्वस्थ है, जबकि श्याम का इलाज अंतिम चरण में है। यह जानकारी सीएमओ डॉ.एन.बी.सिह ने दी। उन्होने कहा कि बच्चों में लंबे समय तक बुखार बने रहने, वजन कम होने या शरीर के किसी हिस्से में लगातार दर्द और सूजन जैसी शिकायतों को सामान्य समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर चिकित्सकीय परामर्श लेकर जरूरी जांच कराना महत्वपूर्ण है। टीबी की पुष्टि होने पर निर्धारित उपचार का पूरा कोर्स करना चाहिए। समय पर पहचान और सही उपचार से बच्चों को बीमारी से उबरने में मदद मिलती है। **14 वर्ष तक के बच्चों में टीबी की स्थिति** जनपद में कुल 1448 बाल टीबी रोगी हैं। इनमें 536 पल्मोनरी (फेफड़ों की टीबी)और 912 एक्स्ट्रा पल्मोनरी (फेफड़ों के अलावा शरीर के अन्य अंगों की टीबी) के मरीज हैं। कुल रोगियों में 650 लड़के और 798 लड़कियां हैं।

ओमेक्स कट के पास कार डिवाइडर से टकराई रायबरेली के युवक की मौत

लखनऊ।थाना पीजीआई क्षेत्र में रात करीब 1 बजे सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, चार घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक कार संख्या यूपी 72 बीएक्स 5007 रायबरेली से लखनऊ आ रही थी। ओमेक्स कट के आगे अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। कार में 5 लोग सवार थे। पीजीआई पुलिस ने एम्बुलेंस से सभी को ट्रामा सेंटर भेजा, जहां उत्कर्ष पांडेय (26) को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों के आने पर चार अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद परिजन साथ ले गए, उनकी हालत सामान्य है। सभी मृतक व घायल रायबरेली के निवासी हैं। पुलिस ने पंचायतनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

सीएम योगी की फ्लीट के बीच घुसी महिला ने की दरोगा से मारपीट, एफआईआर दर्ज

लखनऊ। सुशांत गोल्फसिटी के बड़ी रोटरी और ट्रू वैल्यू कट के पास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की फ्लीट के बीच में महिला घुस गई। वह फ्लीट निकलने के दौरान ही सड़क पार करने लगी। पुलिस ने रोका तो गालियां दीं। विरोध करने पर महिला दरोगा से मारपीट कर ली। इस दौरान आरोपी महिला ने दरोगा का बैच नोच लिया और उसके वर्दी को फाड़ने का प्रयास किया। इस मामले में दरोगा राम प्रताप सिंह की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। महिला को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। सुशांत गोल्फसिटी थाने में तैनात दरोगा राम प्रताप सिंह के मुताबिक, 15 अक्टूबर की शाम करीब चार बजे मड़ियांव भरत नगर निवासी मुस्कान जायसवाल डिवाइडर पार करके सड़क से दूसरी ओर जाने लगी। आरोप है कि पुलिस वालों ने रोका तो हंगामा करने लगी। आरोप है कि फ्लीट निकलने के बाद भी महिला ने यातायात ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों से अभद्रता की। सूचना पर पहुंचीं महिला दरोगा दीपिका सिंह और महिला कांस्टेबल शशि सिंह ने आरोपी को हिरासत में लिया।

गलत तरीके से फार्म-7 भरवाने पर होगा एक्शन- रिणवा

लखनऊ,(आज समाचार सेवा)। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने प्रदेश के समस्त जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को फार्म- ७ के माध्यम से दाखिल किए जाने वाले आवेदनों के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा.निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम १९५० की धारा-३१ के अनुसार मतदाता सूची की तैयारी, पुनरीक्षण अथवा शुद्धि या किसी प्रविष्टि को मतदाता सूची में शामिल करने अथवा हटाने के संबंध में जानबूझकर मिथ्या कथन या घोषणा लिखित रूप में करना दंडनीय अपराध है। इसके लिए दोषी व्यक्ति को एक वर्ष तक के कारावास अथवा जुर्माने या दोनों से दंडित किए जाने का प्रावधान है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि फार्म-७ में भी आवेदक से इस संबंध में निर्धारित घोषणा प्राप्त की जाती है। यदि निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी की जांच में फार्म-७ के माध्यम से की गई आपत्ति मिथ्या पाई जाती है तो संबंधित आवेदक के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम ने दस भवन किये सील 11.41 लाख गृहकर वसूला

लखनऊ,(आज समाचार सेवा)। नगर निगम द्वारा गृहकर के बड़े बकायेदारों के विरुद्ध चालये जा रहे वसूली अभियान के तहत शनिवार को जोन-३, जोन-७ और जोन-८ में की गई कार्रवाई के दौरान कुल २१ भवनों एवं प्रतिष्ठानों के विरुद्ध कुर्की और सीलिंग की कार्रवाई की गई। इस दौरान बकायेदारों से कुल ११,४१,२८७.33 की धनराशि नगर निगम कोष में जमा कराई गई। वहीं बकाया भुगतान नहीं करने पर जोन-७ और जोन-८ में 10 भवनों को सील किया गया। जोन-३ में अभियान के दौरान वार्ड अलीगंज में डॉ अतुल कुमार राय के सापेक्ष १,९९,१८० वार्ड फैजुल्लागंज चतुर्थ में शशिबाला द्विवेदी से २,४२,९७७ तथा वार्ड जानकीपुरम तृतीय में सौरभ से ६९,१२८ रूपये जमा कराए गए।

एकेटीयू को मिला भारत सरकार से 20 करोड़ का एआई प्रोजेक्ट

लखनऊ,(आज समाचार सेवा)। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय अब प्रदेश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई हब के रूप में पहचान बनाने जा रहा है। इसके लिए विश्वविद्यालय को भारत सरकार की ओर से २० करोड़ रूपये के प्रोजेक्ट की स्वीकृति मिली है। यह जानकारी देते कुलपति प्रो जेपी पाण्डेय ने बताया कि इस प्रोजेक्ट के तहत विश्वविद्यालय में हाईटेक एआई सेंटर ऑफएक्सीलेंस स्थापित किया जाएगा। लैब में उच्चश्रेणी के कम्प्यूअर लगेंगे। साथ ही अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। परियोजना को चार वर्षों में क्रियान्वित किया जाएगा। विदित हो कि इस प्रोजेक्ट के तहत परिसर में बेहद हाइटेक आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस सेंटर ऑफएक्सीलेंस स्थापित किया जाएगा। भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय एमईआईटीवाई के इंडिया एआई मिशन के तहत इस प्रोजेक्ट को मंजूरी मिली है।

लखनऊ के हर जोन में पिंक समाधान दिवस

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ में मिशन शक्ति फेज-6.0 के तहत सभी जोनों में महिला सुरक्षा व साइबर अपराधों से बचाव को लेकर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुए। पूर्वी जोन के थाना विकासनगर पुलिस ने पायनियर मॉन्टेसरी स्कूल में छात्र-छात्राओं को महिला हेल्प डेस्क, पिंक बूथ, पिंक स्कूटी, यूपी कॉप ऐप की जानकारी दी और हेल्पलाइन 112, 1090, 181, 1930 के पंफलेट बांटे।

राजधानी में डेंगू का प्रकोप जारी, 17 नये मरीज मिले

लखनऊ। राजधानी में डेंगू का डंक बढ़ने लगा है। शनिवार को विभिन्न इलाकों के 17 और लोगों में डेंगू की पुष्टि हुयी हैं। इनमें तीन मरीज इन्दिरानगर, चार मरीज चन्दरनगर, पांच मरीज अलीगंज,तीन मरीज सिल्वर जुबली व एक-एक मरीज सरोजनीनगर व रेडक्रास एरिया का निवासी है। अस्पतालों में डेंगू मरीजों के इलाज के लिए अलग वार्ड तैयार किये गये हैं। मच्छरदानी में मरीजों को भर्ती किया जा रहा है। बलरामपुर, सिविल, लोकबंधु बीआरडी व रानी लक्ष्मीबाई सहित अन्य अस्पतालों में मच्छरदानी में मरीज भर्ती किये जा रहे हैं। मरीजों को भी मच्छरों से बचाव के लिए सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है। सीएमओ डॉ.एन.बी. सिह ने बताया कि डेंगू के लक्षण मिलने पर मरीज सरकारी अस्पतालों में जांच करा सकते हैं। यहां डेंगू की जांच मुफ्त उपलब्ध है। मरीजों को इलाज के दौरान जरूरी दवाएं भी मुफ्त दी जा रही हैं। बुखार के साथ शरीर में तेज दर्द, सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द या कमजोरी होने पर डॉक्टर से सलाह लें।

एक सप्ताह बाद भी श्रद्धा दुबे को नही पकड़ सकी पुलिस

वायरल हो रहे वीडियो पुलिस को नही मिल रही खोजे, उठ रहे तमाम सवाल

अदालत मे आत्मसमर्पण की हो रही तैयारी, पुलिस हुई सुस्त

लखनऊ। राजधानी के चर्चित शिवा शर्मा हत्याकांड की मुख्य आरोपी मॉडल श्रद्धा दुबे को घटना के एक सप्ताह से अधिक गुजरने के बाद भी पुलिस उसे नही पकड़ सकी है।जबकि उसके वायरल वीडियो लगातार सोशल मीडिया पर सामने आ रहे है। सवाल उठ रहा है कि उसके वीडियो कौन वायरल कर रहा है। क्या इसके पीछे किसी अफसर या नेता का तो कोई खेल नही है। हलांकि लखनऊ पुलिस ने श्रद्धा दुबे, उसकी बहन रश्मि दुबे और उनके ड्राइवर दानिश के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर तीनों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया है।पुलिस की शुरुआती जांच के अनुसार, श्रद्धा लगातार अपनी लोकेशन बदल रही है और उसके नेपाल भागने की मजबूत आशंका है। इस मामले से जुड़े अब तक के मुख्य घटनाक्रम नीचे दिए गए है।सीसीटीवी फुटेज मे नेपाल के महीम नगर बस स्टेशन के दो सीसीटीवी फुटेज सामने आए हैं। जिसमें श्रद्धा दुबे अपनी बहन और ड्राइवर के साथ ई-रिक्शा से जाती हुई दिखाई दे रही है। पुलिस को बहराइच जिले के रूपईडीहा (नेपाल बॉर्डर) के पास श्रद्धा की स्कॉर्पियो गाड़ी लावारिस हालत में मिली थी, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि वह सड़क मार्ग से सीमा पार कर चुकी है। यूपी पुलिस की 10 टीमें नेपाल और सीमावर्ती जिलों में लगातार छापेमारी कर रही हैं और इस तलाश में नेपाल पुलिस की भी मदद ली जा रही है। इसके साथ ही देश के सभी प्रमुख एयरपोर्ट्स पर भी दोनों बहनों की तस्वीरें भेजकर अलर्ट जारी किया गया है। फरार होने के बावजूद श्रद्धा सोशल मीडिया पर लगातार वीडियो जारी कर अपनी सफाई दे रही है।श्रद्धा का दावा है कि कैफे संचालक शिवा शर्मा की हत्या नहीं हुई थी, बल्कि उन्होंने भारी कर्ज और आर्थिक तंगी के कारण आत्महत्या की थी।उसने वीडियो में पुलिस के सामने सरेंडर करने और सच बताने की इच्छा जताई है, लेकिन फिलहाल बीमारी का हवाला देकर सामने आने से बच रही है।उसने मीडिया और लोगों से अपील की है कि उसके नाम को किसी राजनेता या प्रभावशाली अधिकारी के साथ न जोड़ा जाए।लेकिन इतना सब होनें के बाद भी उसे पुलिस पकड़ नही पा रही है। सोशल मीडिया पर उसकी गतिविधियां सामने आने के बाद भी गिरफ्तारी न होना बड़े सवाल खड़े कर रहा है।कैफे संचालक शिवा शर्मा की सांस थमते ही मौके से भाग निकलने वाली श्रद्धा को लेकर बड़ा सवाल सामने उठ रहा है कि वह क्यों भागी। इसको लेकर पुलिस के अफसर भी चुप्पी साधे हुए है।हलांकि सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडिओ की किसी भी स्तर से पुष्टि नही हो सकी है। सूत्र बताते है कि पुलिस के लिये चुनौती बनी फरार श्रद्धा दुबे अदालत में सरेंडर करने की तैयारी कर रही है।उसका नेटवर्क पुलिस पर भारी पड़ रहा है।बतादे कि बीते 9 अक्टूबर को लखनऊ के हजरतगंज इलाके में स्थित अवध ग्रीन अपार्टमेंट की चौथी मंजिल से गिरकर 28 वर्षीय कारोबारी शिवा शर्मा की मौत हो गई थी। शिवा की मां ने आरोप लगाया है कि उनकी लिव-इन पार्टनर श्रद्धा दुबे, उसकी बहन और सहयोगियों ने शिवा को प्रताड़ित और ब्लैकमेल करने के बाद चौथी मंजिल से नीचे धकेल दिया। इसी शिकायत के आधार पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। एक सप्ताह बाद भी श्रद्धा दुबे को नही पकड़ सकी पुलिस

श्रद्धा दुबे के नाम निकली साइबर ठगी की लग्जरी कार

साइबर ठगी के मामले मे सहारनपुर से बरामद लग्जरी कार का कनेक्शन लखनऊ पुलिस की वांटेड 25 हजार की इनामी श्रद्धा दुबे से जुड़ा है। कार करीब दो साल से सहारनपुर साइबर क्राइम थाने में खड़ी है। पुलिस के मुताबिक 2024 में सर्जन डॉ. प्रभात कुमार वर्मा से आयुष्मान योजना के बकाया बिल भुगतान का झांसा देकर 90.59 लाख रुपये की ठगी हुई थी। जांच में सामने आया कि ठगी की रकम से कार खरीदी गई और दिल्ली के महिपालपुर में श्रद्धा दुबे के नाम पर रजिस्टर्ड कराई गई। इस मामले में दिसंबर 2024 में लखनऊ से अंकित जायसवाल समेत तीन आरोपी गिरफ्तार हुए थे। एसएसपी के अनुसार ठगी की रकम से खरीदी गई संपत्ति की जांच में कार को सीज किया गया था। कार श्रद्धा के नाम पर है, लेकिन खरीद अंकित से जुड़ी बताई जा रही है। दो साल से थाने में खड़ी इस कार ने शिवा शर्मा हत्याकांड की फरार आरोपी श्रद्धा दुबे की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

ट्रॉमा मैनेजमेंट में 'गोल्डन आवर' की भूमिका अहम-धीमन

'वर्ल्ड ट्रॉमा डे' पर एसजीपीजीआई के एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में हुआ जन-जागरूकता कार्यक्रम

लखनऊ,(आज समाचार सेवा)। अस्पताल पहुंचने से पहले दी जाने वाली शुरुआती पुनर्जीवन और देखभाल और से कई जानें बचाई जा सकती है। उक्त उद्‌गार शनिवार को विश्व आघात दिवस 'वर्ल्ड ट्रॉमा डे' के अवसर पर एसजीपीजीआई के एपेक्स ट्रॉमा सेंटर आयोजित सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम में निदेशक पद्मश्री प्रो आर के धीमन ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा ट्रॉमा मैनेजमेंट में 'गोल्डन आवर' का सबसे ज्यादा महत्व है। प्रो धीमान के मुताबिक दुर्घटना के पहले चार घंटे काफी अहम होते हैं जिसमे सबसे पहले जहां दुर्घटना हुयी वहां मिलने वाली फस्ट एड उसके बाद शुरूवाती घंटों में अस्पताल में मिलने वाला इलाज है। डॉक्टर रुपाली ने विश्व आघात दिवस पर इस बात पर जोर दिया कि युवाओं में मृत्यु और विकलांगता के प्रमुख कारणों में ट्रॉमा, गंभीर चोट एक है और अधिकांश सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। ट्रॉमा की रोकथाम और त्वरित प्रतिक्रिया तेज व शीघ्र रिस्पॉन्स में आम जनता की भागीदारी सबसे अहम है। डॉक्टर अमित ने बताया कि आपातकालीन नंबर १०८ पर कॉल करना, सीधे दबाव डालकर बाहरी रक्तस्राव को रोकना, रीढ़ की हड्डी की चोट से बचाने के लिए पीड़ित को सही तरीके से स्थानांतरित करना प्रमुख है। वक्ताओं ने बताया कि चेहरे और नाक से होने वाले खून बहने को कैसे संभालें, चेहरे की चोटों और जबड़े की हड्डी टूटने पर क्या करें और कब तुरंत अस्पताल जाना चाहिए। उदाहरणों के जरिए इस बात पर जोर दिया गया कि घबराना नहीं चाहिए और खून बहने को रोकने के लिए कुछ आसान कदम उठाने चाहिए। इस कार्यक्रम का आयोजन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर के फैकल्टी और स्टाफ द्वारा किया गया था, जिसका उद्देश्य आम जनता के बीच सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, प्राथमिक चिकित्सा फर्स्ट एड के महत्व और सड़कों पर जिम्मेदार व्यवहार के बारे में जागरूकता फैलाना था। इस कार्यक्रम में १७० से अधिक आम लोगों ने भाग लिया। **एसजीपीजीआई में महानवमी पर नहीं होगे नये पंजीकरण** महानवमी के पावन अवसर पर १९ अक्टूबर, सोमवार को संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ में सार्वजनिक अवकाश घोषित' किया गया है। सोमवार को ओपीडी में नये पंजीकरण नहीं होंगे। जिन पुराने रोगियों को ओ पी डी परामर्श के लिये पहले से ही तारीख दी गयी है,सिर्फ उन्हे ओपीडी में देखा जायेगा और जिन रोगियों की विभिन्न विभागों में जाँचो की तारीख है, उनकी जांचे भी होंगी। पूर्व निर्धारित ऑपरेशन भी यथावत होगे। इमरजेंसी सेवाएं यथावत चलेगी। ओपीडी का सैम्पल कलेक्शन बंद रहेगा। प्रशासनिक भवन व शैक्षणिक ब्लाक भी बंद रहेगा।

कैंसर संस्थान में मनाया गया विश्व एनेस्थीसिया दिवस

लखनऊ,(आज समाचार सेवा)। विश्व एनेस्थीसिया दिवस पर शनिवार को कल्याण सिंह अति विशिष्ट कैंसर संस्थान में एनेस्थीसियोलॉजी विभाग द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आधुनिक चिकित्सा में एनेस्थीसिया की महत्वपूर्ण भूमिकाए रोगी सुरक्षाए शल्य चिकित्सा से पूर्व एवं पश्चात की देखभाल तथा सफल शल्य प्रक्रियाओं के संचालन में इसके योगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक प्रो एमएल बी भट्ट की गरिमामयी उपस्थिति रही। वहीं संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान लखनऊ से प्रो देवेंद्र गुप्ता एवं डॉ अभिषेक कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर अपने संबोधन में संस्थान के निदेशक प्रो. भट्ट ने आधुनिक चिकित्सा पद्धति में एनेस्थीसिया की अपरिहार्य भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शल्य चिकित्सा के दौरान रोगी की सुरक्षा सुनिश्चित करने, शरीर की महत्वपूर्ण क्रियाओं को स्थिर बनाए रखने, आपातकालीन परिस्थितियों का प्रबंधन करने तथा जटिल शल्य प्रक्रियाओं को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में एनेस्थीसियोलॉजिस्ट की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

स्वास्थ्य महानिदेशक पहुंचे बाढ़ क्षेत्र,चिकित्सीय सुविधायें बढ़ाने के दिये निर्देश

लखनऊ। महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें डॉ.पवन कुमार अरुण ने शनिवार को बाढग्रस्त क्षेत्र फैजुल्लागंज दाऊदनगर का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ सीएमओ डॉ.एन.बी.सिह व नगरीय सीएचसी अलीगंज के अधीक्षक डॉ. हेमन्त कुमार मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान महानिदेशक ने स्वास्थ्य शिविर कैम्प पर दी जा रही चिकित्सीय सुविधाओं का पर्यवेक्षण कर रहे डॉ. हेमन्त कुमार को क्षेत्र में अग्रिम आदेशों तक चिकित्सीय शिविर के माध्यम से जनसामान्य को चिकित्सीय सुविधायें उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नही की जायेगी। इसके अलावा नगरीय पीएचसी फैजुल्लागंज की प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ.आसमा के नेतृत्व में क्षेत्रीय आशा एवं एएनएम की टीम ने फैजुल्लागंज क्षेत्र के कृष्णलोकनगर, सन्त कबीरनगर व हनुमन्त पुरम के 108 घरों में स्वास्थ्य सर्वेक्षण किया, और क्षेत्र में आवश्यक दवायें, क्लोरीन गोलिया व ओआरएस पैकेट का वितरण किया गया। जबकि मोबाइल मेडिकल यूनिट ने मौर्या मार्केट में 41 लोगों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी।

उत्तर प्रदेश अब रूल ऑफ माफिया से मुक्त हो चुका है- योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री ने लोहिया विधि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में छात्रों को पढ़ाया अनुशासन का पाठ

लखनऊ,(आज समाचार सेवा)। कोई व्यक्ति या पद संविधान से ऊपर नहीं हो सकता, यदि अन्याय सामने हो तो चुप रहना विकल्प नहीं है, फैसला इतिहास सुनाएगा,लेकिन बहस आपको करनी है। उक्त उद्‌गार शनिवार को डॉ राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के ५वें दीक्षांत समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवा अधिवक्ताओं को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में २०१७ से पहले रूल ऑफ माफिया था अब प्रदेश में रूल ऑफ लॉ है, यहां से माफि याओं का सफाया किया जा चुका है। माफिया से विकास बाधित था, सरकार ने कानून का शासन स्थापित कर प्रदेश की छवि बदली है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश की छवि पूरी तरह से कानून के राज और विकासवादी हो चुकी है जिससे निवेश को लेकर संदेह रहता समाप्त हो चुका है और प्रदेश तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने छात्रों से कहा कि राम जैसा कर्म, मर्यादा और वचन हो, कृष्ण जैसा ह्रदय होना चाहिए, शिव जैसा मस्तिष्क होना चाहिए, सत्य बोलना धर्म का आचरण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि २०१४ में भाजपा की सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कश्मीर से धारा ३७० हटाई, एक देश एक निशान एक विधान से चले इसके लिए रिर्फाम किये। मुख्यमंत्री ने कहा कि १५ अगस्त १९४७ और २६ जनवरी १९५० के साथ २५ जून १९७५ भी लोकतंत्र की महत्वपूर्ण तारीख है, जिसमें आपातकाल ने रूल ऑफ लॉ और रूलर ऑफ लॉ का अंतर समझाया। न्यायमूर्ति एचआर खन्ना की असहमति का उल्लेख करते हुए कहा कि सिद्धांतों के पक्ष में लिया निर्णय इतिहास में स्थान बनाता है। युवा अधिवक्ताओं को संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करनी चाहिए। सीएम योगी ने विद्यार्थियों से कहा कि गलत काम का दबाव आए तो सिद्धांतों से समझौता न करें। समारोह में विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं सामान्य परिषद के अध्यक्ष योगी आदित्यनाथ, सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश एवं विश्वविद्यालय के विजिटर न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण भंसाली तथा उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री श्री योगेन्द्र उपाध्याय उपस्थित रहे। इसके अलावा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो अमर पाल सिंह, कुलसचिव केशव कुमार, आईएएस तथा सामान्य परिषद, विद्या परिषद और कार्य परिषद के सदस्यों ने भी समारोह में सहभागिता की।

दीक्षांत समारोह में बेटियों का दबदबा 20 में से 13 पदकों पर जमाया कब्जा

विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व विशिष्ट अतिथियों ने मेधावियों को पदक देकर सम्मानित किया। इस वर्ष पदक हासिल करने में छात्राओं ने बाजी मारी है, कुल २० पदकों में से १३ पर छात्राओं ने कब्जा किया है। जबकि सात पदक छात्रों के हिस्से में आए। इसके अलावा दीक्षांत समारोह में कुल २६० विद्यार्थियों और शोधार्थियों को विभिन्न पाठ्यक्रमों की उपाधियां प्रदान की गई। पदक पाने वालों में बीए एलएलबी ऑनर्स में तेजस्विनी कौशल स्वर्ण, ईशा अग्रवाल रजत और निशा वर्मा कांस्य पदक प्राप्त किया। वहीं एलएलएम में रूपल जायसवाल को स्वर्ण, चित्रा सिंह को रजत और सौम्या गिरी को कांस्य पदक प्रदान किया गया। साइबर लॉ में भास्कर पाण्डेय, जयन्त अग्रवाल और चिराग निगम को क्रमशः स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक मिले जबकि बौद्धिक सम्पदा अधिकार में आशी पाण्डेय को स्वर्ण, रितेश मेहता को रजत और ईशा अस्थाना को कांस्य पदक दिया गया। मीडिया लॉ, एंटरटेनमेंट एंड एथिक्स में अंशुमन सिंह को स्वर्ण तथा सन्तसुभ शंकर को रजत पदक मिला। विशिष्ट उपलब्धियों के लिए तान्या वर्मा को कराधान विधि में ,प्रदीप कुमार अग्रवाल स्मृति स्वर्ण पदक, ईशा अग्रवाल को आपराधिक विधि में न्यायमूर्ति ओपी प्रधान स्मृति स्वर्ण पदक, संवैधानिक विधि में स्वर्गीय पद्मावती मोहनलाल जरीवाला स्वर्ण पदक तथा स्टूडेंट ऑफद ईयर के लिए वीरेन्द्र भाटिया स्वर्ण पदक मिला। संघ लोक सेवा आयोग एवं राज्य लोक सेवा प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मुहम्मद इफ्तेखार खान को एम्बिशन लॉ इंस्टीट्यूट स्वर्ण पदक तथा वर्ष की सर्वश्रेष्ठ मूटर के लिए मालविका पचौरी को केकेके लूथरा स्मृति एडवोकेसी स्वर्ण पदक दिया गया।

ZEE
Da´ZEAGRA
Da´ZEAGRA पावर टैब्लेटस्
HEALTH SUPPLEMENT
FOR MEN
4 Tablets
केवल पुरूषो के लिए
www.wellncare.com, 9896134500
हर प्रमुख दवा विक्रेता के यहां उपलब्ध
DISCLAIMER: This product is a health supplement and is not intended to diagnose, treat, cure or prevent any disease. NOT FOR MEDICINAL USE. Images shown are for illustration and representation purposes only.